# कितने कितने

*सुझाई गई गतिविधियाँ केवल सुझाव मात्र हैं। इन्हें बदल कर भी कराया जा सकता है। इनके अलावा और गतिविधियां भी सोचें व कराएँ*

*- सभी गतिविधियाँ लगातार एक के बाद एक न कराएं। अगले पन्नों की कुछ गतिविधियां करके वापस इस पन्ने पर लौटें।*

*- ठोस वस्तुओं व कार्डों का अधिक से अधिक उपयोग करें।*

*- बच्चों को बोलने के पर्याप्त मौके दें। मौलिकता व कल्पनाशीलता पर ज़ोर दें। शुद्ध उच्चारण व भाषा की अपेक्षा कम करें। मातृ भाषा के उपयोग को न रोकें-टोकें।*

## गतिविधियाँ -

- चित्र पर चर्चा- कौन सी दुकानें हैं? दुकानों में क्या क्या है- कितने प्लेट पतीली, गिलास हैं, कितनी बरनी, डिब्बे, साबुन, गुड़ियाँ हैं?

- अंक कार्ड ढूंढ कर रखना। गुड़ियाँ अधिक या साबुन? कितने अधिक जैसे सवाल पूछना।

- दुकान का खेल. हर चीज की कीमत तय करना 10,25,50 पै, 1 रु. 2 रु. के सिक्के, 1,2,5,10,20 रु. के नोट बनाकर खरीदने बेचने का खेल खेलना।

- नीचे डिब्बों में दी गई चीजों को गिनना। उनके अंक कार्ड ढूंढना। कौन सी संख्याएं 2 बार हैं। कौन सी 1 बार? क्या कोई संख्या 3 बार भी है?

- दो टीमों में खेल खेलना- एक टीम संख्या बताए, दूसरी टीम उस संख्या का डिब्बा ढूंढे। ( 17 किसी में नहीं है- यदि एक टीम में 17 मांगा तो दूसरी टीम को बताना होगा कि नहीं है।

- डिब्बों को क्रम देना सबसे कम को 1, उससे अधिक 2...

11 से 19 का खेल अंक कार्ड बारी-बारी उठाएं और उतनी संख्या में चीजें भी उठाएँ।

- डिब्बों को अंक के साथ जोड़ना।

*नोट- इस पन्ने पर 11 से 20 तक गिनने और अंकों के साथ संबंध का अभ्यास है।*

*11 से 19, कम से अधिक के क्रम में जमाना।*

इस पन्ने पर आपने कौन सी गतिविधियाँ कराईं-

| दिनांक | गतिविधि | दक्षताएँ | समय | सामग्री |
|---|---|---|---|---|
| | | | | |
| | | | | |

आपने इस पन्ने पर अपनी तरफ से कौन सी नई गतिविधियाँ बनाईं व कराईं (संक्षिप्त विवरण)

आपको व बच्चों को कौन सी गतिविधियों में ज्यादा मज़ा आया? किनमें दिक्कत आई?

# कितने कितने

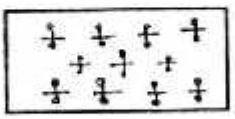

11

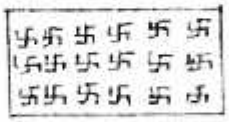

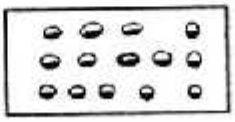

12

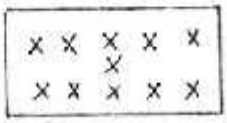

13

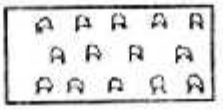

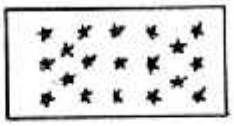

14



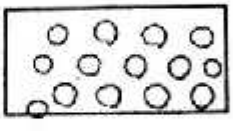

15

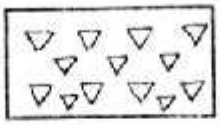

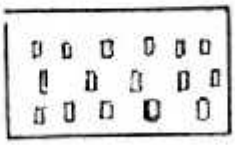

16

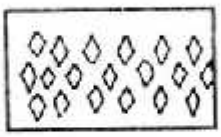



17

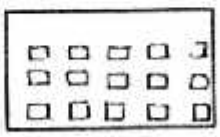

18



19

# अगर तुम मुझे खाओगे----

एक **छोटा- मोटा, गोल-मटोल आलू था।**

वह लुढ़कता- फुदकता- गुढ़कता
अपने घर जा रहा था।

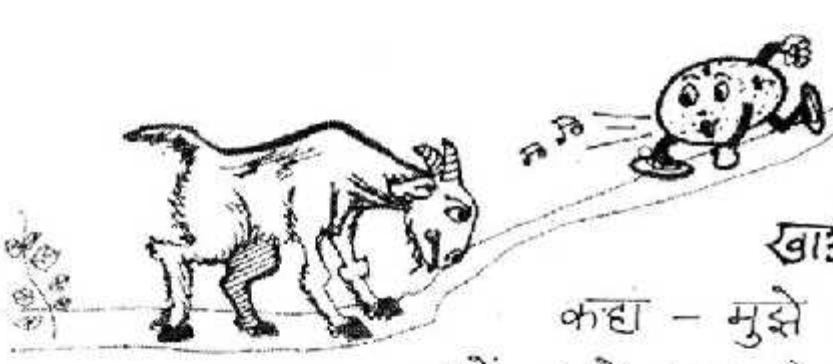

रास्ते में मिल गया
उसे **'खाऊं'** बकरा।
**खाऊं** ने **आलू** को रोका और
कहा – मुझे बहुत भूख लगी है, मैं
तुम्हें खाने वाला हूँ। **खाऊं** ने **छोटे-मोटे,**
**गोल-मटोल आलू** को पकड़ लिया।

**आलू** चिल्लाया- रुको।
अगर तुम मुझे खाओगे,
तो खुद **आलू** बन जाओगे।

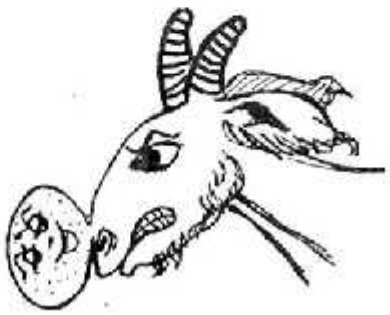

**खाऊं** ने ऊपर देखा –
हाय राम रे, ये मुझे क्या हुआ!
नाक मेरी **आलू** बन गई
हवा में मैं कैसे उड़ रहा।

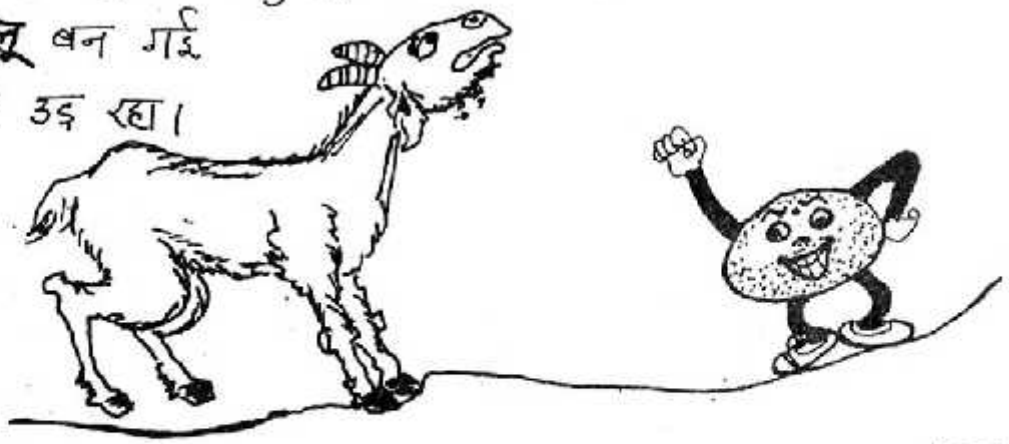

# अगर तुम मुझे खाओगे.....

*सुझाई गई गतिविधियां केवल सुझाव मात्र हैं। इन्हें बदल कर भी कराया जा सकता है। इनके अलावा और गतिविधियां भी सोचें व कराएं।*

*- सभी गतिविधियाँ लगातार एक के बाद एक न कराएं। अगले पन्नों की कुछ गतिविधियां करके वापस इस पन्ने पर लौटें।*

*- ठोस वस्तुओं व कार्डों का अधिक से अधिक उपयोग करें।*

*- बच्चों को बोलने के पर्याप्त मौके दें। मौलिकता व कल्पनाशीलता पर ज़ोर दें। शुद्ध उच्चारण व भाषा की अपेक्षा कम करें। मातृ भाषा के उपयोग को न रोकें-टोकें।*

## गतिविधियाँ

- चित्रों को देखकर कहानी, चर्चा, अंदाजा लगाना - बकरा और आलू क्या बोल रहे होंगे।
- शिक्षक कहानी पढ़कर सुनाए, बच्चे उंगली रखकर साथ-साथ बोलें। (ध्यान रहे, बच्चे पूरे वाक्य के बाद बोलें और सही जगह उंगली रखें इस तरह नहीं **आलू-आलू, आँखें-आँखें, नचा-नचा**..... पर इस तरह ***आलू आँखे नचा कर बोला - आलू आँखें नचा कर बोला***.....
- जिन वाक्यों में पुनरावृत्ति है जब दूसरी-तीसरी बार आता है तब बीच में शिक्षक रुककर बच्चों को आगे बोलने के लिए प्रोत्साहित करे। जैसे आलू फिर हँस कर बोला मेंढक अगर मुझे....और यहाँ रुक जाएँ बच्चे खुद जोड़ें खाएगा तो खुद आलू बन जाएगा।.... आदि।
- हाथी, शेर और चींटे का आलू खाने के बाद का चित्र बनाना - खाली जगह में।
- इस प्रकार की और कल्पनात्मक कहानियाँ बनाना और सुनाना।
- अगर मुझे खाएगा अगर मेंढक तुम्हें खा गया जैसे वाक्यांश ढूंढना।
- बार-बार आने वाले शब्द जैसे मुझे तुम्हें खाएगा तो आदि ढूंढना, खाली कार्डों में शिक्षक ये शब्द लिखें और इनसे वाक्य बनवाएँ ।
- एक सी मात्रा के शब्द ढूंढना। जैसे मुझे, मुड़ा, बहुत आदि।
- कहानी याद होने के बाद करना। यदि मुखौटे उपलब्ध हों तो मुखौटे पहनकर नाटक करना।
- शब्द कार्ड में कहानी के शब्द कार्ड ढूंढना।
- शब्द पहचान के साथ अक्षर व मात्रा पहचाना उनसे नए शब्द व वाक्य बनाना ।

***नोट :- इस पाठ में पढ़ने के तरह-तरह के अभ्यास किए जा सकते हैं।***

- *चूंकि इस पाठ में बार-बार आने वाले शब्द व वाक्य पढ़ने की शुरुआत करने व अंदाज लगाने में ये मददगार होंगे।*

इस पन्ने पर आपने कौन सी गतिविधियाँ कराईं-

| दिनांक | गतिविधि | दक्षताएँ | समय | सामग्री |
|---|---|---|---|---|
| | | | | |
| | | | | |
| | | | | |
| | | | | |
| | | | | |
| | | | | |

आपने इस पन्ने पर अपनी तरफ से कौन सी नई गतिविधियाँ बनाईं व कराईं (संक्षिप्त विवरण)

आपको व बच्चों को कौन सी गतिविधियों में ज्यादा मज़ा आया? किमें दिक्कत आई?

फिर **खाऊं** ने पूछा-
अच्छा, **अगर तुम्हें साँप**
**खा ले तो?**

**आलू** हँसा -
**साँप अगर मुझे खाएगा**
**तो खुद आलू बन जाएगा।**

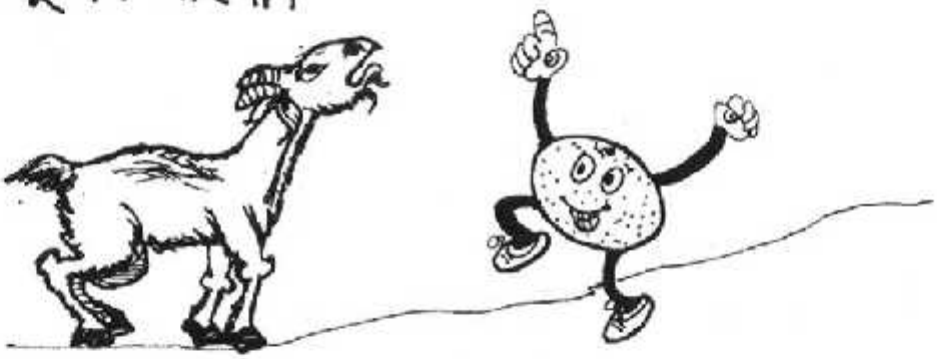

**खाऊं** ने ऊपर देखा- अरे, अरे - ये साँप को क्या हो गया?

**खाऊं** ने अब थोड़ा डरते हुए पूछा -
**बोलो, अगर मेंढक तुम्हें खा गया तो क्या होगा?**

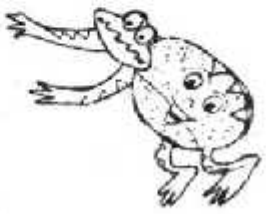

**आलू** फिर हँस कर बोला-
**मेंढक अगर मुझे खाएगा**
**तो खुद आलू बन जाएगा।**

**खाऊं** ने ऊपर देखा - अरे बाप रे-
मेंढक कैसे फुदक रहा है?
आकाश में आलू के पेट
वाला मेंढक फुदकता
जा रहा था।

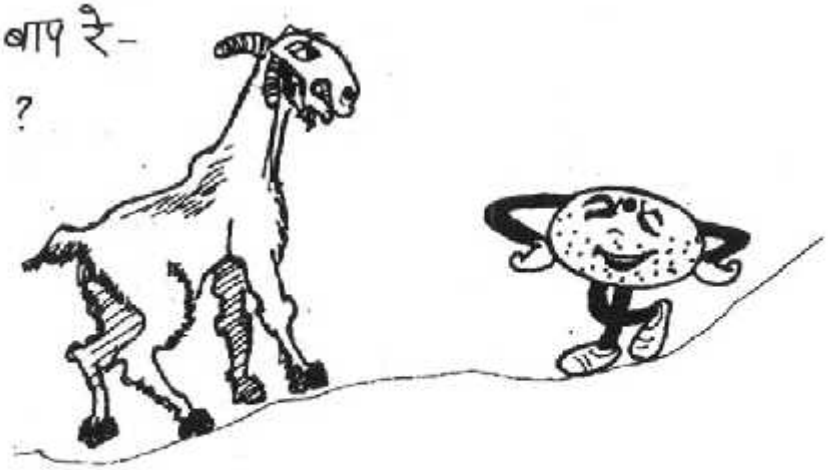

**खाऊं** इस अनोखे आलू से अब बहुत डर गया था। फिर भी उसने पूछा - **अगर हाथी तुम्हें खा जाए** तो क्या होगा?

आलू आँखें नचा कर बोला - **हाथी अगर मुझे खाएगा**
तुम बताओ कैसा बन जाएगा।

और **चीता अगर मुझे खाएगा**
तो कैसा बन जाएगा?

और **शेर अगर मुझे खाएगा**
तो कैसा बन जाएगा?

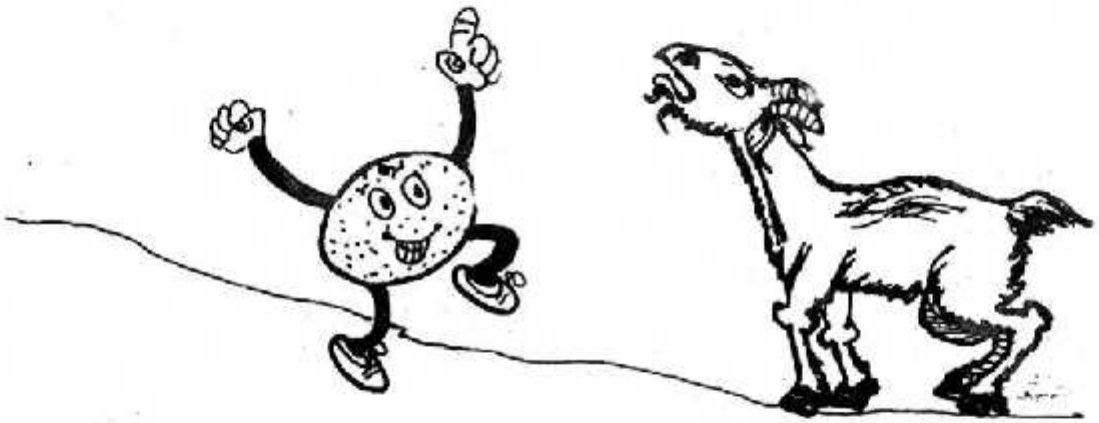

यह सब देख कर तो खाऊं बहुत ही डर गया था। उसने सोचा - अगर मैं और रुका तो मैं शायद आलू ही बन जाऊंगा।

वह मुड़ा और फटा-फट वहाँ से भाग लिया।

# चीकू और बाली

*सुझाई गई गतिविधियाँ केवल सुझाव मात्र हैं। इन्हें बदल कर भी कराया जा सकता है। इनके अलावा और गतिविधियां भी सोचें व कराएँ*
*- सभी गतिविधियाँ लगातार एक के बाद एक न कराएँ। अगले पन्नों की कुछ गतिविधियाँ करके वापस इस पन्ने पर लौटें।*
*- ठोस वस्तुओं व कार्डों का अधिक से अधिक उपयोग करें।*
*- बच्चों को बोलने के पर्याप्त मौके दें। मौलिकता व कल्पनाशीलता पर ज़ोर दें। शुद्ध उच्चारण व भाषा की अपेक्षा कम करें। मातृ भाषा के उपयोग को न रोकें-टोकें।*

## गतिविधियाँ -

- शिक्षक कहानी सुनाए, ऐसी जिसमें बाली को चीकू को ढूंढना है। चीकू ने रास्ते में जहाँ-जहाँ दो रास्ते आए वहां एक से शुरु करके एक अधिक कंकड़ डालता जाता है..... हर बार कहानी का कथानक बदल सकता है पर कंकड़ या कोई और चीज रखने वाली बात हमेशा रहे।
- 2-5 बच्चे पासे या चिए से खेल-खेल सकते हैं। पासे पर एक ही सतह पर बिंदु हो। यदि बिंदु वाली सतह उपर आए तो एक घर आगे चलें। आगे बढ़ने से पहले उतने कंकड़ उठाने हैं जो सही रास्ते के हैं। जो पहले पहुंचे और जिसके पास 45 कंकड़ हो जाएं, वह पहला नम्बर आएगा। बाकी बच्चे खेलते जाएंगे जब तक 1 बच्चा बचे। (अगर बच्चा गलत रास्ते पर जाता है तो उसकी एक चाल बेकार हो जाती है और उसके पास कंकड़ भी अधिक हो जाते हैं।)
- इस खेल को बदलकर उपयुक्त अंक कार्ड उठाने वाला खेल भी हो सकता है। खेल के अंत में जीतने वाले बच्चे के पास 0 से 9 तक कार्ड होने जीतने वाले बच्चे के पास 0 से 9 कार्ड होने चाहिए। (यह खेल एक बार 5 बच्चों की दो टोलियों यानी 10 बच्चों से ही खिलाया जा सकता है चूंकि अंक कार्ड के 10 सेट ही हैं।)
- बिंदु मिलाकर चित्र पूरा करना है। (दूसरे चित्र में 2 और 4 छूट गए हैं उनके बिंदु बने हैं हो सके तो जुड़वाने से पहले लिख ले।)
- चित्र पूरा होने के बाद मेंढक क्या बात कर रहे होंगे उस पर चर्चा।
- उपयुक्त जगह पर बंदर, मुर्गा, बिल्ली, मेंढक, लड़की लिखना या शब्द कार्ड छांट कर रखना।
- मेंढकों के आसपास पानी। खाली जगह पर चित्र बनाना व रंग भरना। उन चित्रों को कहानी में जोड़ कर बताना।
- शब्द कार्डों से वाक्य बनाना बंदर केला खा रहा था। एक लड़की थी। एक बिल्ली थी। लड़की जंगल में गई आदि। ( कहानियों में आए शब्द जो शब्द कार्ड में नहीं हैं उन्हें कोरे शब्द कार्डों पर लिख कर शिक्षक दे ।)
- उंगली फेर कर सही रास्ते से बंदर तक पहुंचना। काफी बार खेल खिलाने और उंगली फेरने के बाद पेंसिल से रास्ता बनाना।

***नोट :-** इस पन्ने पर काफी मौखिक गतिविधियां गिनने और संख्या के साथ जुड़ी हैं। गणित के साथ उसका संदर्भ, भाषा आदि बहुत महत्वपूर्ण हैं। अतः ये विभिन्न तरह की गतिविधियां कराना उचित होगा।*
*- एक और एवं अंकों में क्रम की बातें भी इक पन्ने में हैं। ये भी महत्वपूर्ण अवधारणाएँ हैं।*